# Daily Gospel Reflections in Hindi

12 June 2019

## मत्ति 13:31-35

### PARABLE OF MUSTARD SEED AND YEAST

'स्वर्ग राज्य क्या है' आज के सुसमाचार के द्वारा येसु इस बात को दो दृष्टान्तों के जरिए प्रस्तुत करते हैं। येसु कहते है कि स्वर्ग राज्य राई के दाने के सदृश है। येसु कहना चाहते हैं कि स्वर्ग राज्य की शुरूआत धीरे–धीरे होती है, वह राई के दाने जैसे छोटे है लेकिन वह जरूर बढ़ेगा और लोग उस में विश्राम पायेंगे। प्रभु ने यह इसलिए कहा क्योंकि कुछ लोगों का सोच था कि स्वर्ग राज्य की स्थापना पूरी शक्ति और सामर्थ्य के साथ अचानक होगा और रोमियों को तितर–बितर कर देगा।

स्वर्ग राज्य खमीर जैसा है। जब एक व्यक्ति को जीवन स्वर्ग राज्य का अनुभव होता है तब उसका पूरा जीवन उसके अनुसार बदल जाता है। स्वर्ग राज्य के बारे में कलीसिया हमें बताती है। दृष्टांत में वर्णित स्त्री कलीसिया का प्रतीक है। तीन पसेरी आटा एक व्यक्ति का आत्मा, शरीर और बुद्धि है। जब स्वर्ग राज्य एक व्यक्ति के आत्मा, शरीर और बुद्धि में बांधा जाता है तब उनके पूरे जीवन में उसका प्रभाव होता है।

**Rev. Fr. Ebin Uppukandathil**

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019